सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरुवार, 27 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 316, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड कान्हा गौशाला किशनपुर पहुंची नोडल अधिकारी... » Pg02

पूरी दुनिया व देश ने भारत के सनातन वैभव को देखा

» Pg12

यूपी पुलिस की एसओजी-सर्विलांस सब फेल

आखिर कहां छुपा है कफ सिरप कांड का किंगपिंग?

सिंडिकेट चलाने वाले पिता-पुत्र दोनों फरार, मेरठ के आसिफ-वसीम से पूर्व सहायक आयुक्त ने कराई थी शुभम की मीटिंग

शुभम जायसवाल को कोडीनयुक्त कफ सिरप के अवैध कारोबार की राह खाद्य एवं सुरक्षा औषधि प्रशासन वाराणसी के पूर्व सहायक आयुक्त ने दिखाई थी। मेरठ के सरधना निवासी कफ सिरप के मास्टरमाइंड आसिफ और वसीम से पूर्व सहायक आयुक्त ने ही लखनऊ में शुभम की मीटिंग कराई थी। शुभम के जरिये कफ सिरप की खेप उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, कोलकाता होते हुए बांग्लादेश और नेपाल तक पहुंचाई गई।

सहायक आयुक्त के खिलाफ जांच शुरू

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रयागराज/लखनऊ। करोड़ों के कफ सिरप कांड का मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। वाराणसी में उसके खिलाफ दो और गाजियाबाद, सोनभद्र, जौनपुर में 1-1 मुकदमा दर्ज है। इस पूरे हाई प्रोफाइल मामले की जांच के एसआईटी की कर रही है। गिरफ्तारी के लिए एसओजी और सर्विलांस टीम को भी लगाया गया है। उसके बाद भी अब तक शुभम जायसवाल पुलिस की पकड़ से बाहर है। ऐसे में अब पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठने लगे है।

बता दें कि लंबे समय से शुभम का मोबाइल फोन बंद है। उसके वाराणसी स्थित घर पर भी ताला लटका हुआ है। सूत्र बताते है कि शुभम शहर के बड़े वकीलों के टच में है। माना जा रहा है वो जल्द ही कोर्ट में सरेंडर भी कर सकता है। सूत्र ये भी बताते है कि वाराणसी में मुकदमा दर्ज होने से पहले ही शुभम विदेश भाग गया।

चकमा देने में कामयाब

शुभम के खिलाफ वाराणसी के कोतवाली और रोहनिया थाने में मुकदमा दर्ज है। कोतवाली में दर्ज मुकदमे में उसकी गिरफ्तारी तो सम्भव नहीं है। लेकिन रोहनिया में दर्ज मुकदमे में पुलिस उसे गिरफ्तार कर सकती है। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल की माने तो उसके गिरफ्तारी के लिए स्ह्रत के साथ सर्विलांस को टीम को भी इस मामले में जांच कर रही है। टीम के साथ लगाया गया है। लेकिन इन सब को शुभम जायसवाल चकमा देने में अब तक सफल है।

उधर एसआईटी की टीम बुधवार को सप्तसागर मंडी पहुंचकर इस मामले से जुड़े दवा

कारोबारियों के कागजों की जांच पड़ताल शुरू की। एसआईटी के अध्यक्ष सरवणन टी भी खुद इस दौरान दवा कारोबारियों से पूछताछ करते रहें। बता दें कि शुभम जायसवाल ने वाराणसी के कई थोक दवा व्यापारियों को सिर्फ कागजों पर भी 50 करोड़ से अधिक की कफ सिरप बेची है। इन कफ सिरप को कहां बेचा गया। इसका कोई लेखा जोखा दुकानदारों के पास नहीं है। यह पूरा खेल 100 करोड़ से ज्यादा का है। इन कफ सिरप को इंटरनेशनल बाजार में 8 से 10 गुना ज्यादा कीमतों पर नशे के लिए बेचा जाता था। जिसका पूरा काम शुभम जायसवाल करता था।

पूर्वांचल के एक बाहुबली के कृपा पात्र सहायक आयुक्त के खिलाफ भी लखनऊ मुख्यालय से गोपनीय जांच शुरू हुई है। मेरठ के रहने वाले सहायक आयुक्त ने लखनऊ और वाराणसी में महंगी जमीन और फ्लैट तक बुक कराए हैं। मेरठ के आसिफ, वसीम और शुभम के खिलाफ गाजियाबाद के नंदग्राम थाने में प्राथमिकी दर्ज है। शैली ट्रेडर्स के प्रोपराइटर भोला प्रसाद और उसके बेटे शुभम जायसवाल को पूरब से पश्चिम तक पुलिस ढूंढ रही है। गाजियाबाद, वाराणसी, जौनपुर, सोनभद्र समेत अन्य जिलों में कफ सिरप मामले में प्राथमिकी दर्ज है। खाद्य एवं सुरक्षा औषधि प्रशासन लखनऊ के एक अधिकारी ने बताया कि शुभम जायसवाल की फर्म और उसके साथ जुड़कर कारोबार करने वालों की फर्मों के रजिस्ट्रेशन का सत्यापन कराया जा रहा है। पूर्व में तैनात अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

अमित सिंह टाटा गिरफ्तार

विशेष जांच दल ने अमित सिंह टाटा को हिरासत में लिया है। अमित सिंह टाटा सिंडिकेट का बड़ा मोहरा है और उसके खिलाफ पहले से कोतवाली में मुकदमा दर्ज है। आरोपी से पूछताछ के दौरान कई अहम खुलासे सामने आए हैं।

करारा झटका

मौत की सजा के बाद अब परिवार भी जेल की रोटियां खाएगा

शेख हसीना को 21 साल की सजा, भ्रष्टाचार के जाल में फंसी पूर्व पीएम

भारत को ढाका से प्रत्यर्पण का अनुरोध, विपक्षी दलों ने न्याय की जीत बताया

» ढाका/नई दिल्ली, एजेंसी।

ढाका की एक अदालत ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में करारा झटका दिया है। गुरुवार को विशेष न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुल्लाह अल मामून ने प्लॉट धोखाधड़ी के तीन अलग-अलग मामलों में उन्हें हर केस में सात-सात साल की सजा सुनाई, जो कुल मिलाकर 21 साल की कैद बनती है। यह फैसला पुर्बाचल न्यू सिटी प्रोजेक्ट में सरकारी जमीनों के कथित गैर-कानूनी आवंटन से जुड़ा हुआ है। ध्यान रहे कि बांग्लादेश के भ्रष्टाचार रोकथाम आयोग (एसीसी) ने जनवरी 2025 में हसीना और उनके परिवार के खिलाफ छह केस दर्ज किए थे। इनमें ढाका के पुर्बाचल इलाके में 30 कट्ठा सरकारी जमीन का बिना आवेदन किए आवंटन करने का आरोप है।

अदालत ने कहा कि यह आवंटन कानूनी सीमा से बाहर था। बाकी तीन मामलों का फैसला एक दिसंबर को आएगा। इधर हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय पर पांच साल की सजा और एक लाख टाका (बांग्लादेशी मुद्रा) का जुर्माना लगाया गया है, जबकि बेटी साइमा वाजेद पुतुल को भी पांच साल की कैद मिली। कुल 23 आरोपी थे, जिनमें से 19 को अलग-अलग सजाएं हुईं।

हसीना और परिवार फरार हैं, इसलिए अदालत में कोई वकील नहीं था। वे भारत में शरण लिए हुए हैं। हसीना ने अपने भाषणों में इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। इससे पहले, बांग्लादेश का अंतरराष्ट्रीय अपराध ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने जुलाई 2024 के छात्र आंदोलनों को कुचलने के लिए उन्हें मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई थी। यह सजा भी अनुपस्थिति में दी गई थी।

भारत ने इस मामले में सतर्क रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ढाका से प्रत्यर्पण का औपचारिक अनुरोध मिला है और इसकी जांच चल रही है। उन्होंने जोर दिया कि भारत बांग्लादेश की स्थिरता, शांति और लोकतंत्र के हित में काम करेगा। जायसवाल ने कहा, ÷हम बांग्लादेश के लोगों के भले के लिए प्रतिबद्ध हैं और सभी हितधारकों से सकारात्मक संवाद जारी रखेंगे। यह घटनाक्रम जुलाई 2024 के बड़े विद्रोह से जुड़ा हुआ है, जब छात्रों ने नौकरी कोटे के खिलाफ प्रदर्शन किया। हसीना सरकार ने इसे दबाने की कोशिश की, जिससे हिंसा भड़की और हसीना 5 अगस्त को बांग्लादेश छोड़ कर भारत आ गईं।

हसीना की सत्ता में 15 साल रही अवधि आर्थिक विकास के साथ-साथ भ्रष्टाचार और दमन के आरोपों से ग्रस्त रही। अब यह सजा उनके राजनीतिक सफर पर एक बड़ा धब्बा है। बांग्लादेश में विपक्षी दल इसे न्याय की जीत बता रहे हैं, जबकि समर्थक इसे अन्याय करार दे रहे हैं।

कान्हा गौशाला किशनपुर पहुंची नोडल अधिकारी आईएएस के धनलक्ष्मी

निरीक्षण के बाद गौ-पूजन, पौधारोपण और गौ-उत्पादों का किया अवलोकन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नोडल अधिकारी एवं मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश की महानिदेशक के. धनलक्ष्मी ने कानपुर नगर निगम संचालित कान्हा गौशाला, किशनपुर का निरीक्षण किया निरीक्षण की शुरुआत नोडल अधिकारी द्वारा गौ-पूजन से हुई, जिसके बाद गौवंश को गुड़ व मिष्ठान खिलाया गया। कार्यक्रम के तहत गौशाला परिसर में विकसित 9 हरित पट्टियों में से प्रथम ग्रीन बेल्ट में पौधारोपण भी किया गया। इसके साथ ही गौशाला में तैयार किए जा रहे गौ-उत्पादों जैसे गौ-मय दीपक, गौ-काष्ठ, मूर्तियां, वर्मीकम्पोस्ट आदि का अवलोकन किया गया।

नगर आयुक्त ने जानकारी दी कि कान्हा गौशाला, किशनपुर प्रदेश की सबसे बड़ी एवं आईएसओ प्रमाणित गौशाला है, जहां वर्तमान में 5693 गौवंश संरक्षित हैं। इनके पोषण के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा, चोकर और हरा चारा उपलब्ध है। वर्तमान में 10500 कुंतल भूसा, 35 कुंतल चोकर संग्रहित है, जबकि प्रतिदिन 300ङ्क350 कुंतल हरा चारा लाया जाता है। नोडल अधिकारी ने गौवंश के उत्तम प्रबंधन एवं बेहतर आहार की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही गौशाला में विद्युत आपूर्ति के लिए सौर ऊर्जा पैनल लगाने तथा सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डा. चतुर्वेदी, ए.डी. डा. अनिल गहलोत, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डा. आर.के. निरंजन, गौशाला प्रभारी ऋषिकेश सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कलह से तंग आकर महिला ने लगाई फांसी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। रावतपुर के आदर्श नगर में बुधवार को उस समय हडक़ंप मच गया जब 28 वर्षीय मोनिका उर्फ मोना कमरे के अंदर फांसी पर लटकी मिली। कमरे का दरवाज़ा लंबे समय तक बंद रहने पर मकान मालिक को शक हुआ। उन्होंने किराएदार शुभम और पुलिस को सूचना दी। शुभम पहुंचा तो अंदर रस्सी के सहारे पत्नी को पंखे से लटका देखा। वह तुरंत उसे उतारकर निजी अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर रायपुरवा निवासी मोनिका की बहन पूनम भी मौके पर पहुंची। उसने आरोप लगाया कि शुभम आए दिन नशेबाजी करता था और इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। पूनम ने कहा कि पारिवारिक कलह से तंग आकर ही मोनिका ने यह कदम उठाया। थानाप्रभारी मनोज मिश्रा ने बताया कि मोनिका और शुभम का आठ वर्ष पूर्व प्रेम विवाह हुआ था। पुलिस ने फोरेंसिक जांच करवाई है और तहरीर मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नौबस्ता-घाटमपुर हाईवे पर भीषण हादसा

ट्रक से टकराकर ट्रैक्टर के दो टुकड़े, एक की मौत,दो गंभीर

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नौबस्ता-घाटमपुर हाईवे पर मौरंग मंडी के सामने ट्रक और ईंट लदे ट्रैक्टर की भीषण टक्कर में ट्रैक्टर दो टुकड़ों में बंट गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो गंभीर घायल हो गए। कानपुर में नौबस्ता-घाटमपुर हाईवे पर बुधवार देर रात सेन चौकी अंतर्गत मौरंग मंडी के सामने एक बार फिर भीषण सड़क हादसा हो गया। एक ट्रक और ईंट लदे ट्रैक्टर के बीच हुई टक्कर में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार, नौबस्ता-घाटमपुर हाईवे पर ईंट लादकर नौबस्ता की ओर जा रहा एक ट्रैक्टर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर दो भागों में टूटकर अलग हो गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि हाईवे पर अवैध रूप से खड़े रहने वाले ट्रक और डंपर जानलेवा साबित होते हैं और आए दिन हादसों का कारण बनते हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया है।

मूक बधिर खुशी गुप्ता की मुराद पूरी !

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि शिक्षा, आवास और इलाज की सरकार लेगी जिम्मेदारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर/लखनऊ। ग्वालटोली स्थित अहरानी मोहल्ले की मूक-बधिर बालिका खुशी गुप्ता की भावनात्मक कहानी ने सभी को छू लिया। घर से बिना बताए निकली खुशी 22 नवंबर 2025 को अकेले ही लखनऊ पहुँची थी। उसका उद्देश्य था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलना। लेकिन रास्ता भटक जाने के कारण वह मुख्यमंत्री आवास तक नहीं पहुँच सकी और लोक भवन के बाहर रोने लगी।

राहगीरों की सूचना पर हजरतगंज थाना पुलिस पहुँची और उसे सुरक्षित थाने ले जाकर उसके माता-पिता को सूचना दी।परिजन पहुँचने के बाद हजरतगंज पुलिस ने सहयोग करते हुए खुशी और उसके परिवार को मुख्यमंत्री आवास तक पहुँचाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुशी और उसके परिजनों से स्नेहपूर्वक मुलाक़ात की और उनकी

स्वराज इंडिया

सीएम योगी से मिलने घर से बिना बताए मूकबधिर युवती लखनऊ पहुंची

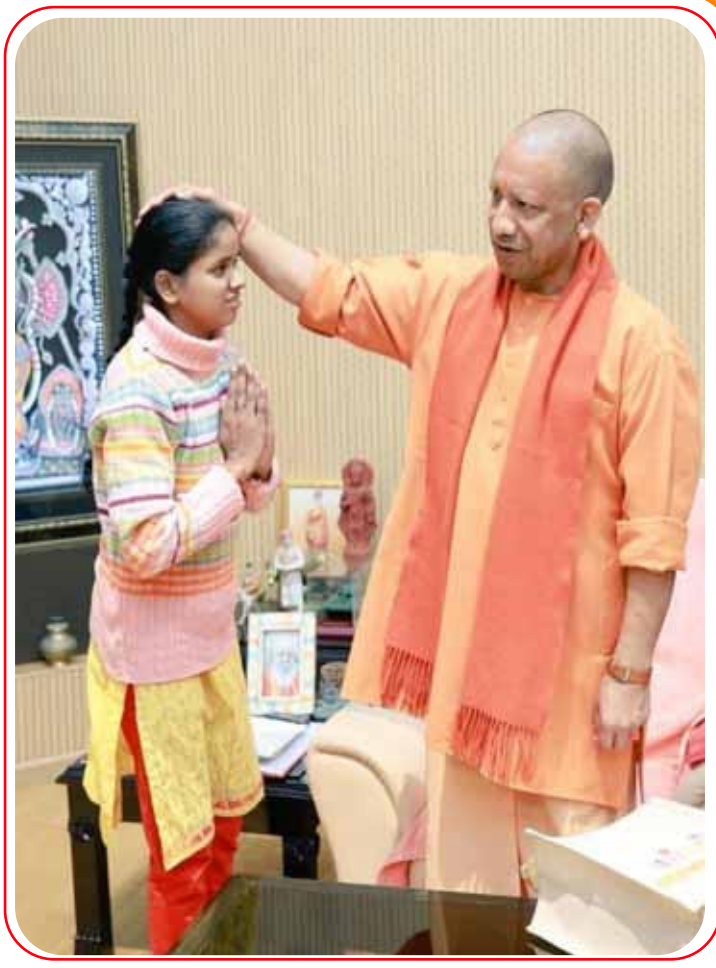

परेशानियाँ सुनीं।मुलाक़ात के दौरान खुशी ने अपने हाथों से बनाया हुआ मुख्यमंत्री का चित्र भेंट किया। मुख्यमंत्री ने इसे स्नेहपूर्वक स्वीकार करते हुए खुशी की शिक्षा, आवास तथा कान के इलाज की पूर्ण जिम्मेदारी उठाने का आश्वासन दिया।मुख्यमंत्री से मिलकर खुशी और उसके परिवार में उमंग की लहर दौड़ गई। परिवार ने इसे अपने जीवन का यादगार पल बताया।

कानपुर में महिला आयोग सदस्य के निरीक्षण पर मचा विवाद पर पुलिस आयुक्त बोले- गलतफहमी थी, अब सब ठीक

कुछ शब्द ऐसे थे, जिनसे गलतफहमी पैदा हुई। मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने महिला आयोग सदस्य अनीता गुप्ता और ज्वाइंट सीपी विनोद कुमार दोनों से बात की है। बातचीत के बाद सभी भ्रम दूर हो गए हैं और अब दोनों पक्षों को किसी प्रकार की आपत्ति नहीं है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि आपसी तालमेल और सहयोग से ही महिलाओं का सम्मान सुरक्षित रह सकेगा और महिला अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो पाएगा।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने बताया कि महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता किसी शिकायत के समाधान को लेकर थाने गई थीं, और इस तरह की विज़िट कोई भी व्यक्ति कर सकता है। इसी को लेकर संयुक्त पुलिस आयुक्त विनोद कुमार द्वारा उन्हें एक पत्र भेजा गया था,

जिसमें उल्लेख किया गया था कि थाने का निरीक्षण उनका अधिकार क्षेत्र नहीं है।आयुक्त ने कहा कि पत्र में

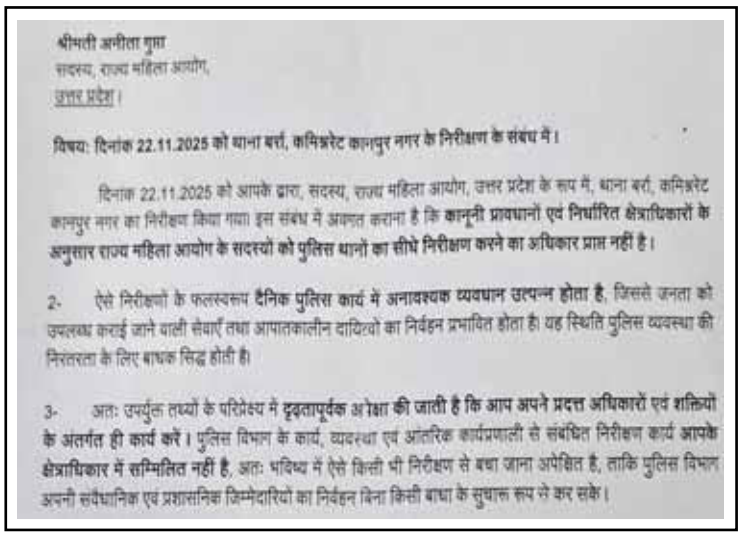

श्रीमती अनीता गुप्ता
सदस्य, राज्य महिला आयोग,
उत्तर प्रदेश।

विषय: दिनांक 22.11.2025 को थाना बर्रा, कमिश्नरेट कानपुर नगर के निरीक्षण के संबंध में।

दिनांक 22.11.2025 को आपके द्वारा, सदस्य, राज्य महिला आयोग, उत्तर प्रदेश के रूप में, थाना बर्रा, कमिश्नरेट कानपुर नगर का निरीक्षण किया गया। इस संबंध में अवगत कराना है कि कानूनी प्रावधानों एवं निर्धारित क्षेत्राधिकारों के अनुसार राज्य महिला आयोग के सदस्यों को पुलिस थानों का सीधे निरीक्षण करने का अधिकार प्राप्त नहीं है।

2- ऐसे निरीक्षणों के फलस्वरूप दैनिक पुलिस कार्य में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होता है, जिससे जनता को उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाएँ तथा आपातकालीन दायित्वों का निर्वहन प्रभावित होता है। यह स्थिति पुलिस व्यवस्था की निरंतरता के लिए बाधक सिद्ध होती है।

3- अतः उपर्युक्त तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में दृढ़तापूर्वक अपेक्षा की जाती है कि आप अपने प्रदत्त अधिकारों एवं शक्तियों के अंतर्गत ही कार्य करें। पुलिस विभाग के कार्य, व्यवस्था एवं आंतरिक कार्यप्रणाली से संबंधित निरीक्षण कार्य आपके क्षेत्राधिकार में सम्मिलित नहीं है, अतः भविष्य में ऐसे किसी भी निरीक्षण से बचा जाना अपेक्षित है, ताकि पुलिस विभाग अपनी संवैधानिक एवं प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से कर सके।

27 साल से चल रहा था मुकदमा, पति-पत्नी से स्वीकारा जुर्म

कोर्ट बैठने तक की सजा,3500 का जुर्माना भी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।कानपुर में पति-पत्नी के खिलाफ मामूली मारपीट में 27 साल पहले दर्ज हुआ मुकदमा आखिर खत्म हो गया। पति-पत्नी के जुर्म स्वीकार करने पर कोर्ट ने उन्हें कोर्ट बैठने तक की सजा सुनाई और 3500 रुपये जुर्माना भी लगाया था। जुर्माने की रकम जमा करने के बाद शाम को कोर्ट से दोनों को बरी कर दिया गया। कल्याणपुर थाने में मार्च 1998 में संतोष कुमार ने अपने चाचा कन्हई लाल और चाची उर्मिला देवी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

कहा था कि दो मार्च की शाम वह अपने दरवाजे पर बैठा था तभी उसके सगे चाचा-चाची ने सरिया से हमला कर दिया। उन्हें गंभीर चोट आई थी। पुलिस ने मेडिकल कराने के बाद मारपीट, धमकी और धारदार हथियार से हमला करने में रिपोर्ट दर्ज की थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने कन्हई लाल और उर्मिला देवी के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट भेजी थी।

27 साल से मुकदमा लंबित था, तारीख पर तारीख पड़ रही थी। आखिर आरोपी पति-पत्नी ने कोर्ट में अपना जुर्म स्वीकार करते हुए सजा में रहम बरतने की मांग की। इस पर कोर्ट ने उन्हें दोषी करार देते हुए कोर्ट बैठने तक कटघरे में खड़े रहने और 3500 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

जुर्माना अदा न करने पर सात दिन कैद के आदेश भी दिए गए थे लेकिन जुर्माना अदा करने के बाद कोर्ट ने शाम को उन्हें बरी कर दिया।

रोड पर उतरे 'यमराज', यातायात नियम तोड़ने वालों की हुई खिंचाई

अरौल-बिल्हौर में नुक्कड़ नाटक के जरिए किया लोगों को किया जागरूक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। यातायात माह के तहत बुधवार को पुलिस ने जागरुकता का जो अनोखा प्रयोग किया, उसने सड़क पर निकलने वाले हर व्यक्ति का ध्यान खींच लिया। जीटी रोड पर अचानक 'यमराज' के वेष में एक व्यक्ति के उतरते ही बिना हेलमेट व लापरवाही से वाहन चलाने वाले चालक ठिठक गए। सड़क सुरक्षा का संदेश देने का यह तरीका लोगों को चौंकाने के साथ-साथ चेतावनी भी दे रहा था।

बीआरसी परिसर में कोतवाल बिल्हौर अशोक कुमार सरोज की मौजूदगी में शुरू हुए कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने सड़क हादसों के कारण बनने वाली छोटी-छोटी लापरवाहियों को सरल ढंग से पेश किया। नाटक खत्म होते ही 'यमराज' बने देव दयाल पुलिस टीम के साथ सड़क पर निकले। रास्ते में जिस भी बाइक सवार ने बिना हेलमेट गाड़ी चलाई, 'यमराज' ने उसे रोककर कहा जीवन आपका है, लेकिन दुख पूरा परिवार झेलता है अगली बार हम समझाने नहीं, लेने आएंगे। उनकी यह बात सुनकर कई चालकों ने वहीं खड़े होकर हेलमेट पहन लिया, जबकि कुछ ने शर्मिंदगी में सिर झुका लिया। राहगीरों की भीड़ इस अनोखे अंदाज़ को देखकर रुक-रुककर सलाह लेते दिखाई दी। अभियान का अगला चरण अरौल थाने में एसीपी मंजय सिंह के नेतृत्व में थाना परिसर में भी हुआ, जहां पुलिस और नाटक टीम ने मिलकर लोगों को सुरक्षित ड्राइविंग के मूल नियम समझाए।

टीम ने बताया कि हेलमेट और सीट बेल्ट सिर्फ चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि दुर्घटना के समय जीवन बचाने के सबसे बड़े साधन हैं। मंच से बार-बार कहा गया कि ओवरलोडिंग से दूरी रखें। मोबाइल फोन का उपयोग वाहन चलाते समय न करें,शराब पीकर ड्राइविंग न करें,लेन में चलें और इंडिकेटर का सही उपयोग करें। पुलिस ने लोगों को यातायात नियमों से जुड़े पर्चे भी बांटे।

कार्यक्रम में अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा सिर्फ पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। सबके जिम्मेदारी निभाने से ही समाज में बदलाव आ सकता है।

कांस्टेबल अफसाना की टीम ने बढ़ाया जागरूकता अभियान का प्रभाव

यातायात माह के तहत बिल्हौर और अरौल में आयोजित हुए कार्यक्रमों में कानपुर कमिश्नरेट पुलिस की चर्चित महिला कांस्टेबल अफसाना अपनी टीम के साथ पहुंचीं। सोशल मीडिया पर अक्सर सड़क सुरक्षा और महिला सुरक्षा से जुड़े संदेशों के कारण चर्चित रहने वाली अफसाना ने बिल्हौर में हाथ में माइक लेकर लोगों के बीच जाकर नियमों को सरल अंदाज़ में समझाया। उन्होंने हेलमेट, सीट बेल्ट, लेन ड्राइविंग और मोबाइल से दूरी जैसे जरूरी नियमों पर जोर दिया। अफसाना न सिर्फ मंच संचालन में माहिर हैं, बल्कि उनकी बेहतरीन गायकी भी लोगों को आकर्षित करती है। कई पुलिस कार्यक्रमों में उनका गाना माहौल को जोड़ता है, और इसी वजह से बड़े जन जागरूकता अभियानों में विभाग सबसे पहले उन्हीं को याद करता है। उनकी उपस्थिति से बिल्हौर और अरौल दोनों जगह कार्यक्रम में खास उत्साह देखने को मिला। सोशल मीडिया पर अफसाना की फैन फॉलोविंग्स बड़ी तादाद में है। उनका अंदाज लोगों को बरबस ही अपनी ओर खींच लेता है।

दूर जाके भी मुझसे तुम मेरी यादों में रहना, कभी अलविदा ना कहना

प्राचार्या ने गीत से जीवंत किया संस्थापक का स्मरण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। मकनपुर स्थित आर.पी.एस. गौरव इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को संस्थापक चेयरमैन स्वर्गीय आर.पी.एस. कटियार की जयंती पर 'अनुस्मरण' कार्यक्रम का आयोजन सादगी और गरिमा के साथ किया गया। विद्यालय परिवार ने उन्हें उस दूरदर्शी शिक्षाविद् के रूप में याद किया, जिन्होंने क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नींव रखी।

» विदेश से भी प्रबंधन समिति ने भेजा श्रद्धांजलि संदेश

» छात्रों की प्रस्तुतियों में झलकता रहा कटियार सर का सपना।

कार्यक्रम की शुरुआत स्व. आर.पी.एस. कटियार की तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। शिक्षकों, छात्रों और प्रबंधन के सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर उनके योगदान को नमन किया। इसके बाद उनके जीवन संघर्ष, विचार और संस्थान की स्थापना के सफर पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई, जिसने हॉल में उपस्थित सभी को भावुक कर दिया। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से उनकी स्मृतियों को जीवंत किया। छात्रा लावण्या द्वारा मैं जहाँ भी रहूँ तेरी याद साथ है... गीत पर दी गई भावपूर्ण प्रस्तुति कार्यक्रम का सबसे प्रभावशाली क्षण रही। इस पर दर्शकों ने लंबी तालियों से उनकी प्रस्तुति को सराहा। विदेश में अध्ययनरत प्रबंधन समिति के सदस्य लवांश कटियार ने कैंब्रिज से वीडियो संदेश भेजकर संस्थापक के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त की। कार्यक्रम का सबसे भावुक और प्रभावशाली पल तब आया जब प्राचार्या लकी जैन ने गीत दूर जाकर भी तुम मेरी यादों में रहना, कभी अलविदा ना कहना... गाकर कटियार सर की स्मृति को जीवंत किया।प्रधानाचार्या श्रीमती लकी जैन ने कहा कि कटियार सर शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं मानते थे, बल्कि बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास को प्राथमिकता देते थे। निदेशक आरती कटियार ने बच्चों की प्रस्तुतियों को संस्थापक के सपनों का प्रतिबिंब बताते हुए कहा कि उनका लक्ष्य था कि विद्यालय हर बच्चे में 'गौरव' की भावना जगाए।

प्रबंधन ने बताया कि 'अनुस्मरण' कार्यक्रम अब प्रतिवर्ष 26 नवंबर को आयोजित किया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी कटियार सर के महान योगदान से प्रेरणा लेती रहें। पूरे आयोजन के दौरान विद्यालय परिसर श्रद्धा, अनुशासन और भावनाओं से भरा रहा।

दोस्तों के साथ घूमने गया युवक कुएं में मृत मिला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। अरौल क्षेत्र के हिलालपुर गांव में मंगलवार शाम एक युवक कुएं में मृत पाया गया। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन उसे स्थानीय सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चाचा ने दो युवकों के खिलाफ केस दर्ज कराया

पुलिस के अनुसार मृतक कौशल पुत्र स्व. रामसिंह को सोमवार को मुनेश कुमार और अजय कुमार अपने साथ ले गए थे। परिजन का आरोप है कि आरोपियों ने कौशल को सुनसान इलाके में ले जाकर मारपीट की और उसके बाद कुएं में गिरा दिया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में युवक के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं।

आरोपियों ने अपने बयान में कहा कि अंधेरे के कारण कौशल कुएं में गिर गया था। गांव के कुछ लोगों का कहना है कि घटना के पीछे नशे और अवैध गतिविधियों का भी हाथ हो सकता है। पुलिस ने घटनास्थल से रस्सी, पाइप, इंजन, पंखा और अन्य उपकरण बरामद किए हैं। इसके अलावा शराब के पैकेट और फटे कपड़े भी मिले हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

05

कानपुर,गुरूवार 27 नवंबर , 2025

सम्पादकीय

महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई देगी कामयाबी

रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वो इतिहास रचा, जिसका दो दशक से इंतजार था। एक दिवसीय क्रिकेट का वर्ल्ड कप जीतकर उन्होंने उस कमी को पूरा किया, जो साल 2005 और 2017 में फाइनल में पहुंचकर भी हासिल न हो सकी थी। ऐसे वक्त में जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम को खिताबी दौड़ में कमजोर माना जा रहा था, उसने सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया टीम को सेमीफाइनल के एक रोमांचक मुकाबले में हरा दिया था। मुकाबले में मुंबई की जेमिमा रॉड्रिग्स ने 127 रन की तूफानी यादगार पारी खेली। लगता था शुरुआत में कई मैच हारने वाली भारतीय महिला टीम ने अपनी ऊर्जा फाइनल मुकाबले के लिये बचा रखी थी, जिसमें उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की टीम को 52 रन से हरा दिया। रविवार की रात हरमनप्रीत कौर की कप्तानी ने पासा ही पलट दिया।नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में चालीस हजार से ज्यादा दर्शकों के बीच जीत का जश्न जमकर मनाया। इस जुनूनी जश्न की वे हकदार भी थीं। साथ ही देश के एक अरब चालीस करोड़ लोगों को भी जीत के जश्न में डुबो दिया। लोग इस साल होने वाले कई दुखांत घटनाक्रमों को भुला इस जीत की लय में झूम उठे। यह सुखद आश्चर्य ही था कि टीम ने लगातार तीन हार झेलने के बाद टूर्नामेंट में दमदार वापसी की। सेमीफाइनल में लोग सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम को कमतर आंक रहे थे। सुखद आश्चर्य देखिये कि फाइनल मुकाबले में हरियाणा की उस शैफाली वर्मा ने करिश्माई पारी खेली, जो विश्व कप के शुरू होने से पहले टीम का हिस्सा भी नहीं थी। उसने अपने चयन को तार्किक साबित किया। इसी तरह दीप्ति शर्मा ने भी शानदार खेल का परिचय दिया। निश्चय ही महिला क्रिकेट टीम की यह शानदार जीत देश की उन लाखों बेटियों के सपनों को नयी ऊंचाइयां देगी, जो अपना आसमान हासिल करना चाहती हैं।निस्संदेह, विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत के दूरगामी परिणाम होंगे। इस खेल में टीम दीर्घकालिक वर्चस्व कायम रख सकती है। धीरे-धीरे वे पुरुष क्रिकेट के सितारों की तरह आभा बिखेरने लगी। हालांकि, आगे की राह इतनी भी आसान नहीं है, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल उनके पास इस कामयाबी का जश्न मनाने का मौका है। उल्लेखनीय है कि टीम में कई ऐसी खिलाड़ी हैं जिन्होंने तमाम आर्थिक-सामाजिक चुनौतियों का मुकाबला करके अपनी जगह बनायी। वे तपती पगडंडियों से गुजरने वाली बेटियों के लिये प्रेरणास्रोत हैं। इन खिलाड़ियों ने मैदान से पहले निजी जीवन में बड़ा संघर्ष किया। बेहद जटिल पृष्ठभूमि से आने के बावजूद वे विश्व विजेता टीम का हिस्सा बनी हैं। उनके साथ अभ्यास मैच खेलने के लिये लड़कियां नहीं होती थी, अत- वे शुरुआती क्रिकेट लड़कों की टीम के साथ खेलती थीं। उनके माता-पिता को समाज की छींटाकशी का भी शिकार होना पड़ता था। मध्यप्रदेश की क्रांति गौड़ ने आर्थिक बदहाली का जीवन जिया और प्रैक्टिस मैच के लिये पैसे की मदद न मिलने पर मां ने गहने तक बेचने पड़े। वक्त बदला है और आज मध्य प्रदेश सरकार ने उसे एक करोड़ का पुरस्कार देने की घोषणा की है।

विकासशील देशों के सामने एआई संप्रभुता की चुनौती

ज्योति मल्होत्रा

किसी भी स्थिति में, एआई संप्रभुता आज कई मध्यम-आय वर्ग के देशों के लिए एक दुखती रग साबित हो रही है। उन्हें वित्तीय निवेश करने की अपनी क्षमता का आकलन, अपेक्षित आर्थिक लाभ, डेटा गोपनीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान...किसी भी स्थिति में, एआई संप्रभुता आज कई मध्यम-आय वर्ग के देशों के लिए एक दुखती रग साबित हो रही है। उन्हें वित्तीय निवेश करने की अपनी क्षमता का आकलन, अपेक्षित आर्थिक लाभ, डेटा गोपनीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बुद्धिमानी भरे निर्णय लेने होंगे।

अब जबकि हमारा देश 'भारत एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन 2026' आयोजित करने की तैयारी कर रहा है, यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि फरवरी माह में पेरिस में हुए एआई क्रियान्वयन शिखर सम्मेलन 2025 में एआई संप्रभुता एक केंद्रीय मुद्दा था। महत्वपूर्ण बात यह है कि आज दुनियाभर में एआई से संबंधित बड़े पैमाने पर निवेश की दिशा-दशा एआई संप्रभुता की अवधारणा निर्धारित करती है। डिजिटल युग के आरंभिक और सबसे प्रभावशाली सिद्धांतकारों में से एक, फ्रांसीसी दार्शनिक बर्नार्ड स्टीगलर के अनुसार, तकनीक की पारंपरिक अवधारणा से आगे बढ़ने में दुनिया को अच्छी तरह समझना ज़रूरी है। उनका मानना था कि 'मनो-राजनीति' (साइकलोपॉलिटिक्स), जो, मीडिया और तकनीक हमारे मानस और ध्यान को आकार देने की क्षमता रखती है, 21वीं सदी को परिभाषित करती है। स्टीगलर का तर्क था कि तकनीक एक 'फार्माकोन' हैङ्क ज़हर जो इलाज भी करता है - और यह हमें चुनना होगा कि हम तकनीक को अपना 'इस्तेमाल' करने दें या आधुनिक एजेंसियों से अपनी तर्कसंगत संप्रभुता वापस पाने के लिए इसका उपयोग 'महत्वपूर्ण गहनता' के लिए सावधानी से करें। हालांकि, 21वीं सदी की शुरुआत में 'तकनीकी संप्रभुता' की अवधारणा का पुनर्विन्यास हुआ था, जो मुख्यत: भू-राजनीतिक टकरावों और प्रतिबंधों के परिणामवश था। वर्ष 2000 और 2010 के दशक की शुरुआत में, इंटरनेट संप्रभुता पर सबसे पहले चर्चा संभवत: चीन में हुई थी। फिर, इस एआई युग में विदेशी शक्तियों पर निर्भरता से बचने के लिए, विभिन्न देशों ने डिजिटल बुनियादी ढांचा, डेटा और एआई पर नियंत्रण स्थापित किया। साथ ही, ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में 2018 में अमेरिका और चीन के बीच चले व्यापार युद्ध ने संप्रभु एआई होने की जरूरत को बढ़ावा दिया।

एआई संप्रभुता किसी राष्ट्र या कंपनी द्वारा अपनी एआई तकनीकों को स्वतंत्र रूप से नियंत्रित करने की क्षमता है, जिसमें डाटा, बुनियादी ढांचा और स्वरूप शामिल हैं, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा, नियामक अनुपालन और रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित हो सके। , संवेदनशील डाटा को अपने अधिकार क्षेत्र में बनाए रखना और घरेलू ढांचे के भीतर एआई प्रणालियों का विकास एवं कार्यान्वयन शामिल है। सरल शब्दों में, संप्रभु एआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि एआई का उत्पादन घरेलू स्तर पर हो, जिसमें वह डेटा भी शामिल हो जिसका उपयोग एआई प्रशिक्षण में, अनुसंधान करते वक्त खोज करने में और किसी प्रश्न के उत्तर में आउटपुट के रूप में उत्पन्न करने वाला डाटा हो। इस प्रकार, 'डेटा संप्रभुता' और 'एआई संप्रभुता' आपस में जुड़ी हुई हैं, फिर भी अलग हैं। लेकिन संप्रभु एआई यह सुनिश्चित करता है कि एआई उनके सांस्कृतिक, नैतिक और कानूनी मानकों के अनुरूप हो।

आज राष्ट्रों को जेनएआई के जोखिमों, फायदों और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आर्थिक विकास पर उनके संभावित प्रभाव के बारे में मालूम है। उदाहरण के लिए, 2035 तक, एआई भारत की अर्थव्यवस्था को 1.7 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने में मदद कर सकता है।

ज़हरीले पानी से प्रवासी पक्षियों के जीवन पर संकट

साम्भर झील में प्रदूषण

ज्वाला सिंह दास

साम्भर झील, राजस्थान में प्रवासी पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है, लेकिन प्रदूषण, एवियन बोटुलिज़्म और जलवायु परिवर्तन के कारण यह पक्षियों के लिए खतरे का कारण बन गई है। राजस्थान की साम्भर झील कई वर्षों से प्रवासी पक्षियों के लिए मौत का मैदान बनती जा रही है। वर्ष 2019 में यहां हजारों पक्षी मरे, पिछले वर्ष लगभग 200 और इस साल भी करीब 70 पक्षियों के शव मिले। मारे गए पक्षियों की जांच के लिए सेंटर फॉर एनिमल डिजीज रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक्स लैब, बरेली को भेजे गए सैंपलों से पुष्टि हुई कि इन मौतों का मुख्य कारण एवियन बोटुलिज़्म ही है, जो लगातार झील में पक्षियों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।

भारत में विदेशी पक्षियों के लिए सबसे बड़े ठिकाने में से एक साम्भर झील में आने वाले मेहमानों की संख्या लगातार घट रही है। वैसे यहां कोई ढाई सौ प्रजातियों के पक्षी आते रहे हैं, लेकिन इस बार यह संख्या 110 ही रही है। सभी जानते हैं कि आर्कटिक क्षेत्र और उत्तरी ध्रुव में जब तापमान शून्य से चालीस डिग्री तक नीचे जाने लगता है, तो वहां के पक्षी भारत की ओर आ जाते हैं। ऐसा हजारों साल से हो रहा है, ये पक्षी किस तरह रास्ता पहचानते हैं, किस तरह हजारों किलोमीटर उड़कर आते हैं, विज्ञान के लिए भी अनसुलझी पहेली है।

भारत की सबसे विशाल खारे पानी की झील 'साम्भर' का विस्तार 190 किलोमीटर, लंबाई 22.5 किलोमीटर है। इसकी अधिकतम गहराई तीन

मीटर तक है। अरावली पर्वतमाला की आड़ में स्थित यह झील राजस्थान के तीन जिलों—जयपुर, अजमेर और नागौर तक विस्तारित है। अब यह झील 4700 वर्ग किमी में सिमट गई है। चूंकि भारत में नमक के कुल उत्पादन का लगभग नौ प्रतिशत-196000 टन नमक यहां से निकाला जाता है, अत: नमक-माफिया भी यहां की ज़मीन पर कब्जा करता रहता है। इस विशाल झील के पानी में खारेपन का संतुलन बनाए रखने के लिए इसमें छोटी नदियों से मीठा पानी लगातार मिलता रहता है तो उत्तर में कांतली, पूर्व में बांदी, दक्षिण में मासी और पश्चिम में लूणी नदी में इससे बाहर निकला पानी जाता रहा है। दीपावली के बाद यहां विदेशी पक्षियों के झुंड आने शुरू हो जाते हैं।पक्षियों में एवियन बॉटुलिज़्म नामक रोग मूल रूप से मांसाहारी नभचरों में होता है। यह बीमारी क्लोस्ट्रिडियम बॉट्यूलिज़्म नामक बैक्टीरिया की वजह से फैलती है।

यहां साम्भर झील के जल में लगातार प्रदूषण की मात्रा बढ़ने से भी यह स्थान पक्षियों के लिए सुरक्षित नहीं रहा है। यहां पर पक्षियों की मौत का एक कारण 'हाईपर न्यूट्रिनिया' भी रहा है। नमकीन जल में सोडियम की मात्रा ज्यादा होने पर, पक्षियों के तंत्रिका तंत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। वे खाना-पीना छोड़ देते हैं। उनके पंख एवं पैरों में लकवा हो जाता है। अंत में प्राण निकल जाते हैं। अभी तक तो पक्षियों की प्रारंभिक मौत हाईपर न्यूट्रिनिया से ही हुई। बाद में उनमें एवियन बॉटुलिज़्म के जीवाणु विकसित हुए और ऐसे मरे पक्षियों को जब अन्य पक्षियों ने भक्षण किया तो बड़ी संख्या में उनकी मौत हुई। । औद्योगिक अपशिष्ट, जिसमें भारी धातुएं और रासायनिक तत्व होते हैं, पक्षियों की तंत्रिका प्रणाली को प्रभावित करता है। नमक की उच्च सांद्रता से पक्षियों के पंखों पर क्रिस्टल जम जाते हैं, जिससे हाइपोथर्मिया या डूबने से मौत हो जाती है।

वर्ष 2010 में भी पक्षियों की मौत के बाद गठित कपूर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों पर अमल नहीं हुआ। दो साल पहले भी हाई कोर्ट ने साम्भर झील को रामसर साइट घोषित किए जाने के बाद यानी 24 मार्च, 1990 के बाद इस झील पर दी गई लीज, निर्माण, अवैध कब्जों की जानकारी और झील को अतिक्रमण से बचाने के उपायों की भी जानकारी मांगी है।

डायरिया से राहत, इन 3 ड्रिंक्स को आजमाएं!

मौसम में लूज मोशन हो रहे हैं या फिर डायरिया की शिकायत ज्यादा देखने को मिल रही है। दस्त से उबरने के दौरान, हाइड्रेटेड रहना और खोए हुए इलेक्ट्रोलाइट्स की भरपाई करना बहुत जरूरी है। इसलिए आप घर पर ही इन 5 नेचुरल ड्रिंक का सेवन कर सकते हैं।

जब शरीर में पानी की कमी होने लगती हैं, तो लूज मोशन या डायरिया हो जाता है। डिहाइड्रेशन के कारण लूज मोशन स्टार्ट हो जाते है। ऐसे में कई बार हेल्थ एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि बॉडी को डिहाइड्रेशन बचने के लिए ओरआरएस का घोल पानी पीने की सलाह देते हैं। दस्त से उबरने के दौरान, हाइड्रेटेड रहना और खोए हुए इलेक्ट्रोलाइट्स की भरपाई करना बहुत जरूरी है।

वैसे तो मार्केट में कई सारे फ्लेवर्ड ड्रिंक है जो पानी की कमी को दूर करते हैं, लेकिन आप घर पर ही इन 5 नेचुरल ड्रिंक को बना सकते हैं।

कोकोनट वाटर

नारियल पानी पोटेशियम और सोडियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का एक प्राकृतिक स्रोत होता है, जो हाइड्रेशन के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। आप इसे सादा पी सकते हैं या इसकी इलेक्ट्रोलाइट सामग्री को बढ़ाने के लिए इसमें एक चुटकी नमक मिला सकते हैं। इसलिए लूज मोशन या डायरिया होने पर नारियल पानी पिएं। चावल की कांजी

लोजू मोशन से छुटकारा पाने के लिए आप घर पर ही चाव की कांजी बना सकते हैं। चावल की कांजी लूज मोशन के लिए सुखदायक होता है और कुछ पोषण प्रदान करते हुए खोए हुए तरल पदा को पुनः प्राप्त करने में मदद करता है।

बटर मिल्क

आपको बता दें कि, बटर मिल्क यानी छाछ में प्रोबायोटिक ड्रिंक होती है, जो गट हेल्थ को सुधारने में काफी मदद करती है। अगर आपको लूज मोशन हो रहे हैं, तो उसमें छाछ जरुर पिएं।

फॉर्मूला ओरआरएस

आपके नजदीकी मेडिकल स्टोर पर डब्ल्यूएचओ रिकमंडेड फॉर्मूला ओरआरएस पाउडर मिल जाएगा। इसे आप पानी में घोलकर पी सकते हैं। यह बॉडी के इलेक्ट्रोलाइट को बैलेंस करता हैं और पानी की कमी को दूर करता है।

डिस्क्लेम- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

गूगल ने साइबर ठगों से बचाव के अहम उपाय बताए!

स्कैम से बचें, गूगल के सुरक्षा टिप्स!

टेक्नोलॉजी

आप अपने वित्तीय और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के लिए कौन-कौन सी सावधानियां बरतनी जरूरी है। आए दिन देश में धोखाधड़ी के मामले सुनने को मिलते हैं। इंटरनेट के जमाने में नए-नए तरीके ठगाई की जा रही है। साइबर अपराधी नए तरीके से लोगों के बैंक खातों से पैसे निकाल रहे हैं। इन दिनों डिजिटल अरेस्ट से लेकर ट्रेडिंग धोखाधड़ी के चलते आम लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।

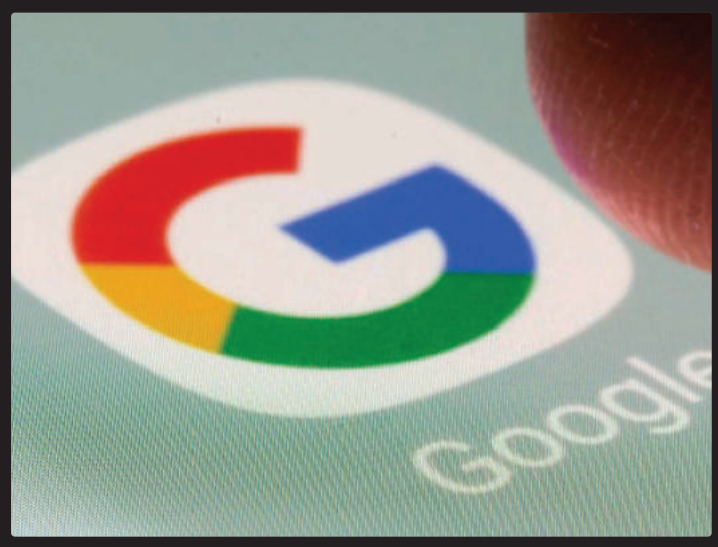

गूगल ने अपने यूजर्स के लिए साइबर ठगों से सुरक्षित रहने और धोखाधड़ी की पहचान करने से महत्वपूर्ण उपाय बताए हैं। आइए आपको बताते हैं आप अपने वित्तीय और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के लिए कौन-कौन सी सावधानियां बरतनी जरुरी है।

आजकल ऑनलाइन स्कैम बढ़ता ही जा रहा है। नए-नए तरीके से स्कैम हो रहा है। गूगल ने अपने यूजर्स के लिए साइबर ठगों से सुरक्षित रहने और धोखाधड़ी की पहचान करने से महत्वपूर्ण उपाय बताए हैं।

क्रिप्टो निवेश से सतर्क रहें

कई बार ईमेल या संदेश के माध्यम से आपके पास क्रिप्टो निवेश योजना में उच्च रिटर्न का वादा किया गया है, तो यह एक स्कैम हो सकता है। कोई भी वास्तविक योजना आपको कम समय में धन दोगुना करने की गारंटी नहीं देता है। कोई ऑफर या डील अच्छी लग रही है, तो यह धोखा हो सकता है।

नकली वेबसाइट और एप्स रहें सावधान

साइबर अपराधी फेमस एप्स और वेबसाइटों की नकल कर यूजर्स की व्यक्तिगत डेटा चोरी कर सकते हैं।

नकली पोर्टल दिखने में बिलकुल एकदम ऑर्जिनल लगते हैं और कभी-कभी नई आकर्षक सुविधाएं भी जोड़ देते हैं। इसलिए आप केवल एप स्टोर या गूगल प्ले स्टोर से ही डाउनलोड करें।

लैंडिंग पेज क्लोकिंग से बचें

इसके जरिए हाईटेक ठगी की जाती है। स्कैमर्स यूजर्स को और गूगल को अलग-अलग कंटेंट दिखाते हैं। इन वेबसाइट के जरिए साइबर अपराध को अंजाम दिए जाते हैं। यह एकदम ऑर्जिनल वेबसाइटों की तरह होती है और लॉगिन आईडी और अन्य क्रेडेंशियल्स मांगती हैं। इन वेबसाइटो का इस्तेमाल बैंक खातों पर नियंत्रण पाने और पैसे की चोरी करने के लिए किया जाता है।

डीपफेक वाले संदेश

गूगल ने यह भी कहा है कि किसी भी वीडियो, ऑडियों और फोटो को ध्यान से देखें। कई बार ऐसे मामले आए है कि किसी सेलेब्रिटी को किसी ट्रेडिंग एप को प्रमोट करते हैं लेकिन उस एप उस सेलेब्रिटी ने कभी प्रमोट नहीं किया है।

इन वीडियो, ऑडियों और फोटो को देखकर लगता है कि असली है लेकिन यह नकली हो सकती है।

हालांकि आप इन वीडियो और ऑडियो को ध्यान देखेंगे और सुनेंगे तो आपको पता चलेगा कि इन कंटेंट को एआई की मदद से बनाया है।

सही फेसवॉश से पाएं जवां त्वचा!

लोगों के चेहरे पर एक्ने की समस्या बनी रहती है या स्किन लूज होने लगती है। हालांकि कई बार तो फेश वॉश की वजह से चेहरे पर एक्ने और रिंकल्स निकाल आते हैं। आइए आपको बताते हैं चेहरे को सही तरह से क्लींज कैसे करें।

हम सभी रोजाना फेसवॉश से चेहरे को क्लीन करते हैं लेकिन सही तरीके से बिल्कुल नहीं करते हैं। वॉश करने का सही तरीका

हाथ को साफ करना जरुरी

लोग जल्दीबाजी में चेहरे को क्लीन करते हैं। इसलिए चेहरे को साफ करने से पहले हाथों का साफ करना बेहद जरुरी है क्योंकि हाथों पर सबसे ज्यादा जर्म्स होते हैं। अगर आप गंदे हाथों से चेहरे को साफ करेंगे तो एक्ने बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। चेहरे को करें गीले टिश्यू से साफ ध्यान रहे कि चेहरे पर फेसवॉश लगाने से पहले स्किन पर जमा एक्स्ट्रा डर्ट को हटाना जरुरी है। आप किसी भी टॉवेल या फिर टिश्यू को गीला करके चेहरे पर जमा एक्स्ट्रा डर्ट को पोछ लें।

हाथों पर फोम बनाएं

जब आप फेशवॉश करें, तो सीधा चेहरे पर ना रगड़ें। इसलिए पहले हाथों पर फेसवॉश लें और थोड़े से पानी को डालकर फोम या झाग बना लें। फिर इस झाग वाले हिस्से को स्किन पर रब करें।

फोम के साथ उंगालियों को धीरे-धीरे आराम से सर्कुलेशन मोशन में चेहरे पर रगड़कर क्लीन करें। इससे स्किन सैगिंग की प्रॉब्लम नहीं होगी। ध्यान रखें कि तेजी से स्किन को ना रगड़ें। जेंटली सर्कुलेशन मोशन में रब कर फेस वॉश लगाएं।

पानी से धोएं

हमेशा चेहरे को धोने के लिए ना ज्यादा गर्म और ना ही ज्यादा ठंडा पानी इस्तेमाल करें। हमेशा ल्यूक वार्म वाटर से चेहरे को धो लें।

ऑयली स्किन को साफ करें

अगर आपकी ऑयली स्किन हैं तो आप चेहरे को अच्छी तरह से साफ करने के बाद ऑयली स्किन को टिश्यू से टैप-टैप करके सुखा लें। वहीं, ड्राई स्किन वाले को सॉफ्ट सूखे तौलिया से चेहरा थपथपाकर सुखाएं।

आजकल ज्यादातर लोग एक्ने, पिंपल, स्किन सैगिंग, रिंकल जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं। फेशवॉश करने का सही तरीका आपके चेहरे को और भी खूबसूरत बना देगा। फेसवॉश करते समय न करें ये गलतियां, जान लीजिए सही तरीका।

किसानों की कई मांगों पर डीएम कार्यालय पहुंच कर सौंपा ज्ञापन

भाकियू (धरती पुत्र) के प्रदेश प्रभारी अनुराग मिश्रा और जिलाध्यक्ष जितेंद्र यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल पहुंचा

»प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर भारतीय किसान यूनियन (धरतीपुत्र) के प्रदेश प्रभारी पं. अनुराग मिश्रा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा। किसानों की लगातार बढ़ती समस्याओं पर 10 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। भाकियू ने ज्ञापन में केंद्र सरकार से 2021 में किए गए लिखित समझौते के अनुसार स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश पर सी2+50त आधारित एमएसपी कानून लागू करने, किसानों-मजदूरों के संपूर्ण कर्ज माफी, ब्याज-मुक्त ऋण योजना और उर्वरकों की महंगी कीमतों को कम करने की मांग की ज्ञापन में कहा कि यूपी में खाद का अधिकतम खुदरा मूल्य 1,350 रुपए प्रति 50 किलो बैग किसानों की आय की तुलना में बेहद भारी है। खाद की कालाबाजारी रोकने और सब्सिडी बहाल करने की मांग की गई।

इसके साथ ही बिजली निजीकरण, स्मार्ट/प्रीपेड मीटर, बिजली दरों में प्रस्तावित बढ़ोतरी को तत्काल रोकने का आग्रह किया गया।

यूनियन ने किसानों को 10 हजार मासिक वृद्धावस्था पेंशन, भूमि अधिग्रहण में 2013 कानून के प्रावधानों का पालन, उचित मुआवजा व नौकरी देने तथा यूपीएसआईडीसी द्वारा बाराबंकी में किए गए वादों को पूरा करने की भी मांग रखी। नगर निगम में शामिल नए इलाकों में सडक़, नाली, पानी, स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने का मुद्दा भी प्रमुख रहा।

यूनियन ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन इन जनहित और किसान हित की मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करेगा। प्रतिनिधिमंडल में कानपुर महानगर जिलाध्यक्ष जितेंद्र यादव, गोविंदनगर विधानसभा अध्यक्ष हिमांशू श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष रामजी यादव, किदवईनगर विधानसभा अध्यक्ष शानू साहू सहित संगठन के कई पदाधिकारी शामिल रहे।काफिले में जितेन्द्र सिंह, वीर सिंह, कमल दुबे, वीरेंद्र यादव, जावेद अली, वीरू गौतम, दिव्या यादव, रूचि तिवारी, राहुल यादव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कानपुर में उन्नत मैनुअल थेरेपी सेवाओं की शुरुआत

डॉ. एस. पी. सिंह को विशेष फेलोशिप सम्मान

»प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। मैनुअल थेरेपी फाउण्डेशन ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित फेलोशिप इन मैनुअल थेरेपी कार्यक्रम का समापन माल रोड स्थित होटल में हुआ। कार्यक्रम का संचालन व समापन फाउण्डेशन के अध्यक्ष डॉ. उमाशंकर मोहंती ने किया।

समारोह में कानपुर के फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. एस. पी. सिंह को विशेष फेलोशिप प्रदान की गई। प्रशिक्षण सत्रों के दौरान एड़ी व टखने के पुरानी दर्द, घुटने और कूल्हे के दर्द, सैक्रोइलियक जोड़ की समस्या, कमर दर्द, सायटिका, कंधे-गर्दन के दर्द, गर्दन के पुराने रोग, खिलाड़ियों की कोहनी, माइग्रेन, चक्कर आने की समस्या तथा रीढ़ की तिरछी बनावट जैसे मामलों में उन्नत मैनुअल थेरेपी तकनीकों पर विस्तृत व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। फेलोशिप प्राप्त करने के बाद डॉ. एस. पी. सिंह ने कहा कि यह सम्मान ज़िम्मेदारी के साथ आता है। उनका लक्ष्य है कि कानपुर में मरीजों को बिना अनावश्यक दवा या शल्य चिकित्सा के सुरक्षित व वैज्ञानिक मैनुअल थेरेपी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही स्थानीय स्तर पर व्यापक उपचार और पुनर्वास सेवाओं की शुरुआत की जाएगी। विशेषज्ञों ने कार्यक्रम में बताया कि आधुनिक मैनुअल थेरेपी प्रोटोकॉल के माध्यम से दर्द निवारण और मरीजों की जीवन-गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार संभव है। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए तथा आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों और क्षेत्रीय सेवाओं के विस्तार पर चर्चा भी हुई।

कालपी नगर के विवादित 39 भूखण्डों का हुआ समाधान

»केडीए वीसी मदन सिंह गर्ब्यांयाल ने आवंटियों को दिलवाई नयी भूमि

»प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। केडीए के जोन 3 स्थित कानपुर विकास प्राधिकरण की कालपी नगर योजना में पूर्व वर्षों में किये गये भूखण्ड आवंटन विवादों में उलझे होने के कारण कई आवंटियों को अब तक कब्जा नहीं मिल सका था। आवंटियों की इस लंबे समय से लंबित समस्या को देखते हुए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देश पर सभी विवादित भूखण्डों की सूची तैयार कर उनकी समीक्षा करायी गयी।

जांच में कुल 39 भूखण्ड विवादित पाए गए, जिनके स्थान पर प्राधिकरण द्वारा 39 नये भूखण्ड सृजित किए गए। टाइप बी, सी तथा ई श्रेणी के इन नवसृजित भूखण्डों का आज 26 नवम्बर 2025 को लाटरी के माध्यम से आवंटन कर दिया गया। लाटरी प्रक्रिया में विशेष कार्याधिकारी सत शुक्ला, सहायक अभियंता दिनेश कुमार, प्रथम श्रेणी लिपिक दिनेश बाजपेई सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। प्राधिकरण के इस निर्णय से कालपी नगर योजना में विवादित भूखण्डों से जुड़ी सभी समस्याओं का निस्तारण हो गया है और आवंटियों को राहत मिली है।

साक्ष्य अधिनियम की धारा 76 के अधिकार को लेकर एसडीएम की शिकायत

» राष्ट्रपति कार्यालय व लोक शिकायत विभाग तक भेजी गई शिकायत

» एसडीएम अकबरपुर नीलिमा यादव ने बताया कि शिकायत गलत है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कस्बा अकबरपुर निवासी अश्विनी बाजपेयी द्वारा उप जिलाधिकारी अकबरपुर नीलिमा यादव पर गंभीर प्रशासनिक आरोप लगाए जाने के मामले में राष्ट्रपति , लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश शासन ने जिलाधिकारी को विस्तृत और निष्पक्ष जांच के स्पष्ट निर्देश जारी किएँ। शिकायतकर्ता अश्विनी बाजपेयी ने बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति शिकायत प्रकोष्ठ एवं प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (CPGRAMS) के माध्यम से अपने प्रकरण की शिकायत दर्ज की थी।

शिकायतकर्ता अधिवक्ता अश्विनी बाजपेई

आरोप है कि उप जिलाधिकारी ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 76 के तहत मांगी गई प्रमाणित प्रति देने से इनकार किया, और फर्जी पत्र जारी कर कार्यवाही को निपटा दिया गया ।भारत सरकार के लोक शिकायत प्रकोष्ठ से जारी आदेश में कहा गया किङ्कफ्रउप जिलाधिकारी द्वारा धारा 76 के अंतर्गत प्रमाणित प्रति न देने और विधि विरुद्ध पत्र जारी करने का मामला गंभीर प्रकृति का है, जिसकी जांच नियमानुसार आवश्यक है।

इसके पश्चात मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार के माध्यम से यह शिकायत जिलाधिकारी को भेजी गई। जिलाधिकारी कार्यालय ने इसे तत्काल प्रभाव से जांच हेतु अपर जिलाधिकारी को अग्रसारित कर दिया , एवं उपरोक्त जाँच को अपर जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी अकबरपुर को दे दिया गया था । शिकायतकर्ता का कहना है कि यह कृत्य प्राकृतिक न्याय सिद्धांत (Nemo jude& in causa sua) और कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट के अंतर्गत आता है,

क्योंकि वही अधिकारी स्वयं के खिलाफ की गई शिकायत की जांच स्वयं कर रहे थे। शिकायतकर्ता द्वारा पुन- जिलाधिकारी को पत्र के माध्यम से अवगत कराने पर जिलाधिकारी द्वारा उपरोक्त जांच के लिए अपर जिलाधिकारी को स्वयं जाँच करने हेतु नियुक्ति का आदेश पारित किया गया । इसके पश्चात मामला प्रशासनिक स्तर पर सक्रिय हो गया है।

शिकायतकर्ता अश्विनी बाजपेयी ने कहा कि धारा 76 के तहत प्रमाणित प्रति हर नागरिक का वैधानिक अधिकार है।

किसी अधिकारी द्वारा इसे न देना और उल्टे शिकायतकर्ता को प्रताड़ित करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विपरीत है तथा संविधान के अनु0 14,19 व 21 का उल्लंघन है । मैं केवल निष्पक्ष और नियम सम्मत जांच चाहता हूँ।

वहीं एसडीएम अकबरपुर नीलिमा यादव ने कहा कि गलत शिकायत की जा रही है, इस मामले में आरटीआई के तहत सूचना ली जा सकती है लेकिन वो अपनी जिद में अड़कर अनावश्यक शिकायत कर रहे हैं। मैने उच्च अधिकारियों से इस संबंध में परामर्श भी प्राप्त कर लिया है।

जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण, दिए कई निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने विभिन्न पार्टी के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस की सीसीटीवी व्यवस्था, साफ सफाई, रखरखाव आदि के आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम वेयर हाउस में साफ सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव आदि पर विशेष ध्यान दिया जाए।

नियमित अंतराल पर निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए वेयरहाउस में आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाए।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, विभिन्न पार्टी के प्रतिनिधि बीजेपी से श्याम बिहारी शुक्ला, समाजवादी पार्टी से शेखू खान, बृजमोहन यादव, कांग्रेस पार्टी से गोविन्द यादव, आम आदमी पार्टी से रोहित यादव, परियोजना अधिकारी, सहायक निर्वाचन अधिकारी गिरवर प्रसाद सहित अधिकारी, कर्मचारी, सुरक्षा कर्मी आदि उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को रौंदा, मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना के मलिखानपुर गांव के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। जिससे घटनास्थल पर ही युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से पारिवारिक जनों में मातम छा गया। पुलिस ने शव कोपोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच पड़ताल शुरू की। जनपद औरैया के बिधूना तहसील क्षेत्र के अंतर्गत नगला पियरा गांव निवासी रविंद्र (40) पुत्र सोनेलाल शिवराजपुर अपने रिश्तेदारी में शव यात्रा में गया था। जहां से देर शाम वह बाइक से हेलमेट लगाकर अपने घर के लिए रवाना हुआ। अभी वह रसूलाबाद पार करके मलिखानपुर गांव के निकट ही पहुंचा था कि किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मारते हुए उसे रौंद दिया। जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

स्थानीय राहगीरों की सूचना पर एंबुलेंस की सहायता से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसूलाबाद ले जाया गया। जहां डॉक्टर शैलेंद्र कुमार ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाल सतीश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, एक की मौत, दो घायल

अज्ञात वाहन व फरार चालक की तलाश में जुटी गजनेर पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र के हरचंदापुर गांव के सामने रामू ढाबा के पास एक अज्ञात वाहन व मोटरसाइकिल के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। जिसमें मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो अन्य घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस हादसे में शामिल अज्ञात वाहन तथा फरार चालक की तलाश में जुट गई है। हादसा थाना क्षेत्र के हरचंदापुर के सामने रामू ढाबा के पास दोपहर करीब ढाई बजे हुआ। जहां पर एक मोटरसाइकिल की किसी अज्ञात वाहन से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार गजनेर थाना क्षेत्र के कौसम गांव निवासी ओम सिंह उर्फ अमन 25 वर्ष, शैलेन्द्र सिंह उर्फ शैलू 35 वर्ष तथा सोनू सिंह 25 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से गजनेर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां मौजूद चिकित्सकों ने ओम सिंह उर्फ अमन को परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया। वहीं शैलेन्द्र सिंह व सोनू सिंह की हालत गंभीर देख उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। प्रभारी निरीक्षक जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि घायलों कोअस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में शामिल अज्ञात वाहन व फरार चालक की तलाश की जा रही है।

बाइक के उड़े परखच्चे/मृतक की फाइल फोटो

नगर निगम टीम ने सड़क- फुटपाथ का साफ किया अतिक्रमण

लोगों का आरोप बड़े व्यापारियों के अतिक्रमण पर नहीं होती कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नगर निगम ने शहर में सडक़ों पर फैले अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। घंटाघर क्षेत्र से लेकर सूतरखाना, लखनऊ फाटक और मरी कंपनी तक नगर निगम टीम ने पुलिस प्रशासन के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए सडक़, फुटपाथ और नालियों पर बने स्थायी व अस्थायी कब्जों को हटाया। अभियान के दौरान कई कब्जेदार खुद ही अपना सामान हटाते नजऱ आए।

जोनल अधिकारी के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई में टीम ने सडक़ पर रखे अवैध ठेले, गुमटी और अन्य अतिक्रमण सामग्री को भी हटाया।

अभियान के चलते दुकानदारों में हडक़ंप मचा रहा। निगम ने चेतावनी देते हुए कहा कि दोबारा कब्जा मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि गरीबों के ठेलों, खोमचों और अस्थायी दुकानों पर तो कार्रवाई हो रही है, जबकि बड़े व्यापारियों पर नगर निगम मेहरबान दिखाई देता है।

उदाहरण के तौर पर भूसाटोली बर्तन बाज़ार में अधिकतर दुकानें अपनी दुकानों के आगे बड़े-बड़े बोरे और बंडल डालकर पूरा रास्ता ब्लॉक कर देती हैं। यही नहीं, वहीं पर लोडर लगाकर खुलेआम माल की लोडिंग-अनलोडिंग होती है, जिससे सडक़ पर जाम की स्थिति बन जाती है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने की आत्महत्या

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।गजनेर थाना क्षेत्र जूनियां गांव में बुधवार को एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस व फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अग्रिम कार्यवाही में जुट गई है। मृतका की पहचान राजवीर सिंह की 27 वर्षीय पत्नी सलोनी के रूप में हुई है।घटना की सूचना मृतक के बड़े भाई शिववीर सिंह ने पुलिस को दी। प्रभारी निरीक्षक जनार्दन प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और शव को फंदे से नीचे उतरवाकर जांच शुरू की। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। मृतका की शादी करीब तीन वर्ष पूर्व हुई थी। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। प्रभारी निरीक्षक जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

ब्राम्हण समाज की बेटियों

पर अभद्र टिप्पणी के बाद आईएएस वर्मा को नोटिस जारी

विवादित टिप्पणी के बाद बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की उठी मांग

» मध्यप्रदेश शासन में कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग में उप सचिव के पद पर तैनात हैं आईएएस संतोष कुमार वर्मा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन ने कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग में पदस्थ उप सचिव आईएएस संतोष कुमार वर्मा द्वारा अजाक्स के प्रांतीय अधिवेशन में दिए गए विवादित वक्तव्य को गंभीरता से लेते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शासन की ओर से सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अखिल भारतीय सेवाएं (अनुशासन तथा अपील) नियम, 1969 के तहत कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

सरकार द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि 25 नवम्बर को विभिन्न दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित संतोष वर्मा के बयान में एक परिवार में एक व्यक्ति को ही आरक्षण मिलना चाहिए, जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण अपनी बेटी दान न कर दे या उससे उसका संबंध न बना ले ने सामाजिक सद्भावना को ठेस पहुँचाई है। यह वक्तव्य न केवल आपसी वैमनस्य बढ़ाने वाला, बल्कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों से अपेक्षित मर्यादा और आचरण के प्रतिकूल भी माना गया है।

नोटिस में यह स्पष्ट उल्लेख है कि संतोष वर्मा का यह बयान अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता और गंभीर कदाचरण की श्रेणी में आता है, जिससे उन्होंने अखिल भारतीय सेवाएं (आचरण) नियम, 1968 के नियम 3(1), 3(2)(बी)(i)(ii) का उल्लंघन किया है। शासन ने आईएएस वर्मा से 7 दिनों के भीतर जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। समयावधि में उत्तर न मिलने की स्थिति में एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। नोटिस राज्यपाल के नाम से अवर सचिव (कार्मिक) फरहीन खान द्वारा जारी किया गया।

ब्राह्मण समाज में उबाल, कहा कि केवल नोटिस से बात नहीं बनेगी

आईएएस वर्मा के बयान ने प्रदेशभर के ब्राह्मण समाज में गहरा रोष पैदा कर दिया है। समाज के प्रतिनिधियों और विभिन्न संगठनों ने कहा है कि केवल कारण बताओ नोटिस जारी होने से समाज संतुष्ट नहीं है। मैं हूं ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दुर्गेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि संतोष वर्मा को तुरंत सेवा से बर्खास्त किया जाए।

उनके बयान के लिए मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए

जब तक गिरफ्तारी नहीं होती, समाज लगातार विरोध दर्ज करता रहेगा। समाज के अन्य पदाधिकारियों का कहना है कि एक प्रशासनिक अधिकारी द्वारा ब्राह्मण समाज की बेटियों पर अभद्र टिप्पणी स्वीकार्य नहीं है। जब तक कार्रवाई कठोर और दृश्यमान नहीं होगी, समाज शांत नहीं बैठेगा। सभी जिम्मेदार अधिकारी और शासन ध्यान रखें कि यह मामला केवल नोटिस से समाप्त होने वाला नहीं है।

विरोध को लेकर सोशल मीडिया पर गधे पर संतोष वर्मा का एक फोटो जारी किया गया है

एआईएस संतोष वर्मा के खिलाफ रासुका के तहत दर्ज हो मुकदमा: नंदकिशोर गुर्जर विधायक

एआईएस संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज की बेटियों पर की गई अभद्र एवं अमर्यादित टिप्पणी सिर्फ एक समाज नहीं, पूरे देश की बेटियों का अपमान है। भारत की संस्कृति में यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता का भाव रहा है जहां नारी का सम्मान नहीं, वहां किसी भी सभ्यता का अस्तित्व संभव नहीं।

नारी के सम्मान पर प्रहार कर जातीय विद्वेष फैलाने और देश में अराजकता पैदा करने की कोशिश किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की

जाएगी। यह व्यक्ति पूर्व में भी जालसाजी और महिलाओं के प्रति अपराधों में शामिल रहा है । यह सिर्फ एक व्यक्ति की सोच नहीं, इसके पीछे कौन-सा गिरोह सक्रिय है? कौन लोग ऐसे तत्वों को संरक्षण और फंडिंग दे रहे हैं? इसकी गहन जांच आवश्यक है। मै ऐसे असामाजिक तत्व के विरुद्ध रासुका सहित कठोर धाराओं में तत्काल मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई हेतु तहरीर दी है ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति देश की बेटियों के सम्मान को ठेस पहुँचाने का दुस्साहस न कर सके।

शव की जगह प्लास्टिक के पुतले का अंतिम संस्कार

लकड़ियां सजाकर तैयार की चिता; कफन हटाकर देखा तो सब हैरान

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

ब्रजघाट । हापुड़ के गढ़ में दो युवक शव की जगह पुतले का अंतिम संस्कार करने पहुंचे। लोगों ने जब चिता से कपड़ा हटाकर देखा तो शव की जगह प्लास्टिक का पुतला मिला। दो युवक हिरासत में लिए गए हैं। दोनों से पूछताछ की जा रही है।

हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर के ब्रजघाट में गुरुवार दोपहर दो युवक एक कार में शव लेकर अंतिम संस्कार के लिए पहुंचे। घाट पर उन्होंने लकड़ियां सजाकर चिता तैयार की और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू ही करने वाले थे कि मौके पर मौजूद एक व्यक्ति को कुछ शक हुआ।

शक के बाद कुछ लोगों ने कफन हटाया तो चिता में शव की जगह प्लास्टिक का पुतला था। यह दृश्य देखकर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए। उसी समय दूसरे अंतिम संस्कार के लिए पहुंचे ग्रामीणों ने भी यह नजारा देखा और दोनों युवकों को पकड़ लिया।

कुछ ही देर में वहां पुलिस भी पहुंच गई और दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला किसी बड़ी धोखाधड़ी या आपराधिक साजिश की ओर इशारा कर रहा है।

चर्चा यह भी है कि किसी जीवित व्यक्ति को मृत दिखाकर बीमे की राशि हड़पने, किसी अपराधी को मृत दर्शाकर कानून से बचाने, या किसी बड़े क्राइम प्लान के तहत यह पुतला चिता पर रखकर जलाने की तैयारी की जा रही थी।

पूरे खांन वार्ड की वोटर लिस्ट में दोहरी गड़बड़ी से लोगों में गुस्सा

गलत फोटो, गलत नाम उठा रहा सिस्टम पर सवाल

» चेयरमैन ने कहा यह सिर्फ गलती नहीं, बेहद गंभीर मामला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।अयोध्या जनपद के रुदौली नगर पालिका क्षेत्र के पूरेखांन वार्ड में मतदाता सूची और एसआईआर फार्म से जुड़ी दो बड़ी गड़बडियों ने पूरे इलाके में चुनावी सिस्टम की विश्वसनीयता पर सीधा सवाल खड़ा कर दिया है।

एक वार्ड लेकिन दो-दो गंभीर त्रुटियाँ! इससे स्थानीय लोग नाराज ही नहीं, बल्कि आशंकित भी हैं कि आखिर यह गलती है या फिर सुनियोजित कारस्तानी? मतदाता सूची में ऐसा नाम मिला जिसे देखकर लोग दंग रह गए रुदौली के पूर्व कोतवाल विश्वनाथ यादव का नाम अब भी वार्ड की वोटर लिस्ट में दर्ज है।

जबकि सच्चाई यह है कि उन्हें रुदौली से स्थानांतरित हुए लगभग पाँच वर्ष हो चुके हैं। वही इसी वार्ड में दूसरी

पूर्व कोतवाल विश्वनाथ यादव

जब्बार अली चेयरमैन रुदौली नगर पालिका

स्वराज इंडिया एक्लूसिव

त्रुटि और भी गंभीर है। मोहम्मद अहमद के नाम के सामने न सिर्फ मतदाता सूची में बल्कि एसआईआर फार्म में भी किसी महिला की फोटो छपी हुई मिली। नगर पालिका परिषद रुदौली के चेयरमैन जब्बार अली ने दोनों मामलों को बेहद गंभीर मानते हुए कहा एक ही वार्ड में इस स्तर की गड़बडियाँ केवल लापरवाही नहीं हैं। यह पूरा सिस्टम सवालों के घेरे में है। जरूरत पड़ी तो पूरे वार्ड की मतदाता सूची का पुन- सत्यापन कराया जाएगा। उन्होंने निर्वाचन आयोग और प्रशासन से तत्काल जांच की मांग भी की है। अब्बासी मोहल्ला क्षेत्र कजियाना में भी एक और गड़बड़ी सामने आई है। पूर्व सभासद सलमान बिन तारिक कादरी ने सोशल मीडिया पर सूची साझा करते हुए बताया कि

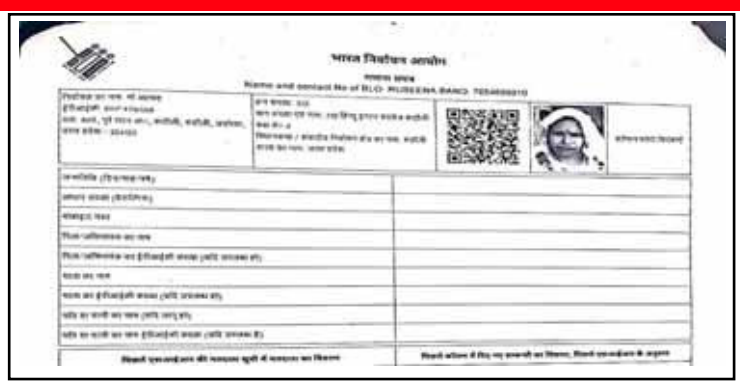

गलत नाम शामिल कराने पर मुकदमा होगा

उप जिलाधिकारी संतोष कुमार ने इस पूरे प्रकरण को गंभीर मानते हुए कहा पूर्व कोतवाल विश्वनाथ यादव का नाम सूची से निरस्त किया जाएगा। यदि उन्होंने बिना आधार के दोबारा नाम शामिल कराया तो उन पर कठोर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

मतदाता तरन्नुम के नाम के सामने किसी नसीम की फोटो लगी हुई है। लगातार

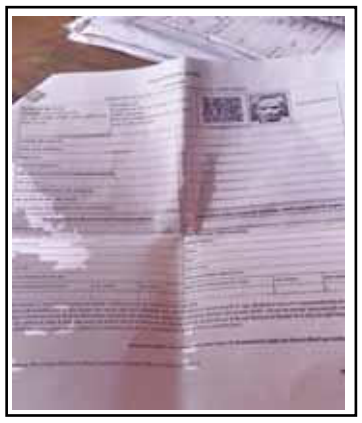

सामने आ रहे ऐसे मामलों ने आम लोगों में गहरा रोष पैदा कर दिया है।

पति की हो गई मौत, पत्नी के बजाए भाई को बना दिया संपति का वारिस

अवैध वारिस प्रमाणपत्र का बड़ा खेल

» मिल्कीपुर न्यायिक तहसीलदार पर बड़ा आरोप, विधवा ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या जनपद की मिल्कीपुर तहसील में अवैध वारिस प्रमाणपत्र जारी करने का मामला अब जिलाधिकारी की चौखट पर पहुंच चुका है। ग्राम पंचायत रामपुर जोहन, पूरे मनशा उपाध्याय के पुरवा की निवासी प्रेम कुमारी (पत्नी स्वर्गीय सुनील कुमार उपाध्याय) ने डीएम अयोध्या को दिए प्रार्थना पत्र ने पूरे तहसील प्रशासन में खलबली मचा दी है।

पीड़िता की कहानी सिर्फ शिकायत नहीं बल्कि एक जिंदा विधवा के अधिकारों पर खुलेआम डाका डालने का आरोप है। प्रेम कुमारी का कहना है कि पति की मृत्यु 3 अगस्त 2021 के बाद वह अकेले अपने

परिवार चलाने के लिए संघर्ष कर रही है। इसी बीच 11 नवम्बर 2025 को न्यायिक तहसीलदार मिल्कीपुर ने उसकी अनुपस्थिति में पति की संपति का वारिस उसके देवर के नाम कर दिया। यह फैसला न केवल अवैध बताया जा रहा है, बल्कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 का सीधा उल्लंघन भी। प्रेम कुमारी ने प्रार्थना पत्र में लिखा मैं जिंदा हूं, विधवा हूं, और सभी सरकारी कागजों में पहली श्रेणी की वारिस हूं। फिर भी मेरे हक को मेरे ही देवर के नाम कर दिया गया। यह मेरे अधिकारों पर डकैती है। पीड़िता ने आधार कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन, परिवार रजिस्टर, मृत्यु प्रमाणपत्र, सभी दस्तावेजों की प्रतियां प्रशासन को सौंपकर साबित किया है कि वह अपने पति की वैधानिक

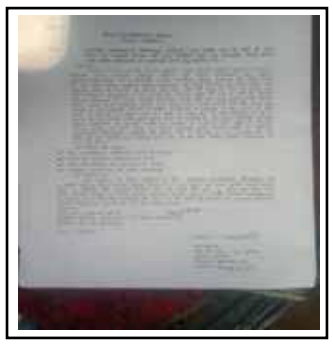

उठ रहे कई सवाल

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ एक केस है? या फिर मिल्कीपुर तहसील में वारिस प्रमाणपत्र घोटाले की बड़ी जड़ें दबाई जा रही हैं? अब निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि इस खुलासे के बाद क्या कार्रवाई होती है? कौन जिम्मेदार ठहराया जाएगा? और क्या पीड़िता को उसका वैधानिक हक मिलेगा?यह सिर्फ एक विधवा की लड़ाई नहीं अवैध वारिस प्रमाणपत्र माफिया के काले धंधे का प्रमाण है।

और वास्तविक वारिस है। पीड़िता के अनुसार आदेश उसकी अनुपस्थिति में पारित किया गया। न सुनवाई हुई, न दस्तावेज देखे गए और संपति देवर के नाम

प्रेम कुमारी ने डीएम से की मांग

अवैध वारिस आदेश की उच्च स्तरीय जांच हो

न्यायिक तहसीलदार के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए

जांच पूरी होने तक संपति पर तत्काल रोक लगेशासन स्तर पर संबंधित कर्मियों को तलब किया जाए

पति की संपति उसे एकमात्र वैधानिक वारिस के नाम अंकित की जाए

दर्ज कर दी गई। दस्तावेजों सहित लगाए गए आरोप इतने गंभीर हैं कि पूरा प्रशासनिक तंत्र सवालों के कटघरे में खड़ा हो गया है।

सीओ अयोध्या की कुर्सी पर दोबारा लौटे आशुतोष तिवारी

» अयोध्या पुलिस में किया गया फेरबदल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।अयोध्या में पुलिस प्रशासन ने एक बार फिर बड़ा बदलाव करते हुए क्षेत्राधिकारी पद की कमान आशुतोष तिवारी को सौंप दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर द्वारा जारी आदेश के बाद उन्होंने सीओ अयोध्या का पदभार संभाल लिया है। नए आदेश के मुताबिक ट्रैफिक, कानून-व्यवस्था और येलो जोन की जिम्मेदारी भी उन्हीं के पास रहेंगी। इससे पहले वे येलो जोन और ट्रैफिक क्षेत्राधिकारी के रूप में कार्यरत थे। तिवारी पूर्व में भी अयोध्या में सीओ के रूप में सेवा दे चुके हैं और उनके कार्यकाल को संतुलित कानून-व्यवस्था और सटीक समन्वय के लिए याद किया जाता है। राम मंदिर परिसर में लगातार बढ़ती श्रद्धालु भीड़, विशेष श्रेणी के आगंतुकों की आवाजाही और सुरक्षा व्यवस्था की चुनौती को देखते हुए उनकी नियुक्ति को बेहद अहम माना जा रहा है।

पूरी दुनिया व देश ने भारत के सनातन वैभव को देखा

भगवान पार्श्वनाथ जी की मूर्ति की स्थापना एवं मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे सीएम योगी

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गाजियाबाद। सीएम योगी गुरुवार को तरुण सागरम् तीर्थ, मुरादनगर पहुंचे। उन्होंने यहां पंचकल्याणक महामहोत्सव के अंतर्गत 100 दिन में निर्मित गुफा मंदिर का उद्घाटन किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भगवान पार्श्वनाथ जी व संत तरुण सागर जी महाराज का स्मरण किया। सीएम ने मेरी बिटिया व अंतर्मना दिव्य मंगल पाठ पुस्तक का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की परंपरा संतों, ऋषि-मुनियों व महापुरुषों के त्याग-बलिदान की महागाथा है। युगों-युगों से यह महागाथा विश्व मानवता के लिए प्रेरणा रही है। विश्व मानवता ने इस महागाथा का श्रवण व प्रेरणा प्राप्त कर भविष्य को तय किया है। भारत के अंदर आज भी पवित्र उपासना विधियां श्रद्धाभाव के साथ कार्य करते हुए इस व्यवस्था को बढ़ा रही हैं।

उन्होंने कहा कि तीन दिन पूर्व अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण कार्य को पूर्ण करने के महायज्ञ के पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ ही पीएम मोदी के करकमलों से भव्य भगवा ध्वज का आरोहण संपन्न हुआ। पूरी दुनिया व देश ने भारत के इस सनातन वैभव को देखा और अनुभव किया। सीएम योगी ने कहा कि यूपी का सौभाग्य है कि अयोध्या में प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव व चार जैन तीर्थंकर पैदा हुए। दुनिया ने काशी में चार जैन तीर्थंकरों को अवतरित होते हुए देखा है। श्रावस्ती में जैन तीर्थंकर भगवान संभवनाथ का जन्म हुआ। भगवान महावीर का महापरिनिर्वाण कुशीनगर के पावागढ़ में हुआ था। हमारी सरकार ने फाजिलनगर का नाम (जहां भगवान महावीर ने महापरिनिर्वाण हुआ था), उसके नामकरण की कार्रवाई को पावा नगरी के रूप में बढ़ाया है।

सीएम योगी ने कहा कि 24 जैन तीर्थंकरों ने समाज को नई दिशा और विश्व मानवता को करुणा, मैत्री, अहिंसा व 'जियो-जीने दो' की प्रेरणा दी। उन्होंने सिर्फ मनुष्य ही नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव-जंतु के लिए नई प्रेरणा प्रदान की, जिसकी प्रासंगिकता आज भी उसी रूप में बनी हुई है। मानव सभ्यता को विकास की नित नई ऊंचाइयों तक पहुंचना है तो उन्हें भारत के अध्यात्म की शरण में जाना होगा।

अध्यात्म के साथ ही भौतिक विकास, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक उन्नयन के लिए सुरक्षित, सुसभ्य, साफ-सुथरा वातावरण चाहिए, जिसे भारत ने पहले भी दुनिया को दिया है और भारत, ऋषि-मुनियों, परंपरा व भारतीय संस्कृति का संदेश आज भी विश्व मानवता के लिए यही है।

सीएम योगी ने कहा कि ऋषि-मुनि परंपरा ने जो संदेश दिया है, हम उसे आत्मसात करते हैं तो यह विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। गत वर्ष अप्रैल में पीएम मोदी ने विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर वन वर्ल्ड-वन चैन कार्यक्रम का उद्घाटन किया था और हम सभी को नौ संकल्प (पानी की बचत, एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छता का मिशन, वोकल फॉर लोकल, देश-दर्शन, नेचुरल फॉर्मिंग, हेल्दी लाइफ स्टाइल, योग व खेल को जीवन में लाना, गरीब कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करना) प्रदान किया था। जैन मुनियों की परंपरा उसी को बढ़ाने का कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज व उपाध्याय मुनि पीयूष सागर जी महाराज की दिनचर्या को देखा। 557 दिन की कठोर साधना, 496 दिन का निर्जल उपवास, तप, अनुशासन व आत्मसंयम का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला है। ये चीजें दिखाती हैं कि यदि हम संकल्प ले लें तो जो कुछ हमें बाहर दिखाई दे रहा है, वह सब कुछ इस शरीर में अनुभव होते हुए भी दिखाई देगा। प्रसन्न सागर जी महाराज की साधना के माध्यम से यह देखने व अनुभव करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

अखिलेश यादव ने फरहान अख्तर के साथ देखी फिल्म 120 बहादुर

लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को फिल्म निर्देशक और अभिनेता फरहान अख्तर के साथ उनकी फिल्म '120 बहादुर' देखी। यहां राजधानी के पलासियो मॉल के थिएटर में उनके साथ सपा के कई नेता और कार्यकर्ता भी साथ थे। इस दौरान सपा सुप्रीमो ने अहीर रेजीमेंट की मांग दोहराई। कहा कि जितनी भी नई रेजीमेंट की मांग हैं, उनको पूरा करना चाहिए।

यह फिल्म 1962 में भारत और चीन युद्ध के दौरान रेजांगला में भारतीय सैनिकों के अदम्य में शौर्य और पराक्रम की वीरता पर आधारित है। युद्ध में भारतीय सेना के 120 अहीर सैनिकों ने मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में रेजांगला पोस्ट पर अपनी जान की परवाह किए बिना अदम्य साहस दिखाते हुए मातृभूमि की रक्षा की। अखिलेश यादव के साथ पार्टी के विधायकों नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फिल्म देखकर वीर सैनिकों के अदम्य साहस और वीरता की प्रशंसा की। फिल्म देखने के बाद मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि यह फिल्म '120 बहादुर' हमारे वीर जवानों की वीरता पर आधारित सच्ची घटना है। हमारी सेना दुनिया की सबसे बहादुर सेना है। हमारे जवान कठिन परिस्थितियों में सीमा की रक्षा करते हैं। यह फिल्म सच्ची लड़ाई पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि हमारी बहादुर सेना ने किस तरह से शत्रु का सामना किया और बहादुरी से युद्ध लड़ा। मेजर शैतान सिंह को उनकी वीरता के लिए परमवीर चक्र मिला।

उन्होंने कहा कि हम लोग अपनी बहादुर सेना का सम्मान करते है। नई पीढ़ी को सेना की वीरता को देखना चाहिए। हम सभी लोगों को अहीर जवानों की वीरता पर गर्व है।

परिवार का आरोप: दबाव, अपमान और रातभर की ड्यूटी ने ले ली जान

बीएलओ की मौत ने खोली एसआईआर की सच्चाई

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बरेली/लखनऊ। एसआईआर अभियान के बीच बुधवार को बीएलओ सहायक अध्यापक सर्वेश कुमार गंगवार की हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटना ने जिले में हड़कंप मचा दिया है। परिजन, शिक्षक संगठनों और राजनीतिक दलों ने एसआईआर के दौरान बढ़ते दबाव और अफसरों के रवैये पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस पूरे मामले के बारे में मृतक के बड़े भाई योगेश गंगवार ने बताया कि सर्वेश रोज शाम 5 बजे तक ड्यूटी करते, उसके बाद 5:30 बजे बैठक, दिनभर इंटरनेट नहीं चलता, एप बार-बार फेल होता। रात 11-12 बजे तक काम करना पड़ता और अफसर देर रात कॉल कर डांटते। योगेश ने कहा सर्वेश लगातार तनाव में था। यह केवल एक हादसा नहीं, लगातार दबाव का नतीजा है। अफसरों को अपना रवैया बदलना होगा, नहीं तो और हादसे होंगे।

सपा नेताओं का हमला, सरकार पर साधा निशाना

मृतक के परिजनों से मिलने पहुंचे सपा जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप और महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी ने कहा कि एसआईआर का असंभव दबाव और तनाव शिक्षक की जान ले गया। उन्होंने सरकार से मांग की है कि परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा और आश्रितों को सरकारी नौकरी दी जाए। साथ ही एसआईआर की अवधि छह माह की जाए।

शिक्षक संगठनों ने लगाया गंभीर आरोप

प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार ने कहा कि शिक्षक रोज रात 12 बजे तक काम कर रहे हैं और अफसर बेवजह अपमान कर रहे हैं। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के मंडल अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि अवकाश न मिलने और अत्यधिक दबाव के कारण शिक्षक तनाव में हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला कोषाध्यक्ष परीक्षित गंगवार ने आरोप लगाया कि अधिकारी रैंकिंग के चक्कर में कर्मचारियों पर असहनीय दबाव बना रहे हैं।

9 करोड़ से फॉर्म डिजिटाइज्ड होने बाकी, 8 दिन का वक्त

उत्तर प्रदेश में 4 नवंबर से एसआईआर प्रक्रिया शुरू हुई। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के लॉन्च के बाद से 6 करोड़ 40 लाख 1 हजार 71 (41.44 प्रतिशत) एन्यूमरेशन फॉर्म डिजिटाइज कर दिए हैं।

बूथ लेवल ऑफिसर्स द्वारा बचे हुए फॉर्म का डिस्ट्रीब्यूशन और कलेक्शन बचे हुए दिनों में किया जाना है। करीब 9 करोड़ से ज्यादा और एन्यूमरेशन फॉर्म डिजिटाइज किए जाने हैं। 4 दिसंबर को फॉर्म बांटने और इकट्ठा करने का काम खत्म हो जाएगा। ऐसे में एसआईआर को तब तक यानी 8 दिनों में इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया का टारगेट पूरा करने के लिए रोजाना औसतन 1 करोड़ से ज्यादा की गिनती के फॉर्म डिजिटाइज करने होंगे। डेटा के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में 15.44 करोड़ से ज्यादा वोटर्स हैं। ड्राफ्ट वोटर रोल 9 दिसंबर को पब्लिश किए जाएंगे। शुरुआती परेशानियों की वजह से कई जिलों में गिनती के फॉर्म बांटने का काम धीमी गति से शुरू हुआ।

यूपी में पिछले 23 दिनों में बीएलओ ने 15 करोड़ 39 लाख 10 हजार 655 (99.66 प्रतिशत) गिनती के फॉर्म बांटे हैं। 6 करोड़ 40 लाख 1 हजार 71 (41.44 प्रतिशत) फॉर्म डिजिटाइज किए गए हैं।